चाहे तार दे हरि चाहे मार दे हरि भजन लिरिक्स

अर्जी है तुमसे सौ सौ बार हे हरी,
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दे हरि चाहे मार दे हरि,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

गौतम ऋषि की नारी अहिल्या,
चरण छुअत से तारी,
कृपा करो ये रोजी मेरी,
काठ की नाव हमारी,
एहि नइया से पल रह्यो है,
परिवार हे हरी
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

केवट प्रभु के चरण धूल के,
चरणामृत पी डारी,
नइया में बिठाया प्रभु को,
गंगा पार उतारी,
का दैहों उतराई,
सोच विचार में हरि,
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

हीरा जड़ी अंगुठी प्रभु को,
दीनी सीता माई,
ये लो केवट भइया,
आज अपनी उतराई,
अबकी बार ना लैहों,
लौटते मे दैदिहों उसपार हे हरी,
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

दशरथ नन्दन हे रघुराई,
आप ही नाव चलैया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सारे जग के पालन हारे,
आप हो पार लगैया,
आवें हम द्वार तिहारे,
उतारिहों तुम पार हे हरी,
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

अर्जी है तुमसे सौ सौ बार हे हरी,
बिन पग धोये ना करिहों गंगा पार हे हरी,
चाहे तार दे हरि चाहे मार दे हरि,
चाहे तार दो हरी चाहे मार दो हरी।bd।

ये भी देखें – पैर धो लेने दो भगवन।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com